Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 29 April 2024

Dainik Jagran Page - 02, 04

बीटेक की आधी सीटें भरेंगी जेईई मेन से बाकी गोवि एंट्रेंस से

बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर गोवि ने स्पष्ट की योजना, लेटरल एंट्री के तहत प्रवेश का आधार होगा सीयूईटी-2024

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : परिसर में तीन वर्ष चलने वाले शुरू हुए बीटेक पाठ्यक्रम में पढ़ रहे में प्रवेश को लेकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अपने पोजल भेज दी है। इसके लिए आवेदन भी आमंत्रित कर दिए हैं। विश्वविद्यालय इस बार बीटेक की आधी सीटों पर जेईई मेन से प्रवेश दे रहा है। शेष और बाकी की आधी सीटें अपने प्रवेश परीक्षा से संचालन आकांक्षियों के लिए। विश्वविद्यालय ने लेटरल एंट्री के जरिए डिप्लोमा धारकों को बीटेक में प्रवेश देने की योजना बनाई है। विश्वविद्यालय ने इस बार सीटों को लेकर जो घोषणा की है उसके अनुसार बीटेक की आधी सीटों पर जेईई मेन के जरिए प्रवेश होगा। बाकी सीटों के लिए विश्वविद्यालय अपनी प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। इसके लिए जून में आवेदन लिए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने बीटेक में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 11 मई है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय • सौजन्य

गोवि में बीटेक की डायवार सीटें

इलेक्ट्रानिक्स टेक्नोलाजी	150 सीटें
इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	150
मेकेनिकल इंजीनियरिंग	75
कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	75 सीटें

इस साल से बीटेक की आधी सीटों को जेईई मेन और आधी सीटों को विश्वविद्यालय की प्रवेश के परीक्षा से जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा जून में होगी। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया 11 मई से शुरू होगी। 11 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 21 जून को होगी। इसके लिए प्रवेश पत्र 14 जून से जारी किए जाएंगे। परीक्षा परिणाम 28 जून को घोषित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की प्रवेश के परीक्षा से जोड़ी गई सीटों पर प्रवेश की काउंसलिंग प्रक्रिया जुलाई में पूरी कर ली जाएगी। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में 1 अगस्त से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

253 कालेजों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा सकता है गोविवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : बीते तीन वर्ष में विश्वविद्यालय परीक्षा में शामिल हुए छात्रों की संख्या के आधार पर 253 कालेजों को संबद्धता देने पर विचार किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। इसके लिए विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके बाद ही कालेजों को संबद्धता देने या न देने पर निर्णय लिया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. राजेश सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्धता लेने के बाद कई कालेज परीक्षा में शामिल ही नहीं होते हैं। इसके कारण विश्वविद्यालय को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके साथ ही कालेजों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर भी विश्वविद्यालय को शिकायतें मिलती रही हैं। इसके कारण विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है।

इस बार 74वां स्थापना दिवस मनाएगी गोविवि

जाग, गोरखपुर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय इस बार अपना चौथा स्थापना दिवस मनाएगा। इसे लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में फैले भ्रम को दूर कर दिया है। विश्वविद्यालय साफ किया है कि चूंकि विश्वविद्यालय की नींव एक मई 1950 में पड़ी थी, इसलिए स्थापना दिवस भी उसी तिथि को मनाया जाएगा। इस हिसाब से 74वां स्थापना दिवस होगा। विश्वविद्यालय अगला 1956 में विधानसभा से संबंधित विधेयक पारित होने के बाद 1957 में अस्तित्व में आया। इसके बाद से ही विश्वविद्यालय की स्थापना की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। इसे दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है।

गोविवि के प्रो. केशव सिंह को मिली एबीआरएफ फेलोशिप

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो.केशव सिंह एशियाई जैविक अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा 'एबीआरएफ फेलोशिप' से सम्मानित किए गए हैं। एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। प्रो. केशव ने वर्मी कंपोस्ट पर कई समाजोपयोगी शोध किए हैं। कांफ्रेंस में उन्होंने 'वर्मीकंपोस्टिंग के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन' पर व्याख्यान देकर लोगों को जागरूक भी किया।

प्रो. केशव सिंह •

Amar Ujala Page - 04, 05

बीटेक की आधी सीटों पर जेईई मेन से होगा प्रवेश

गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीटेक के लिए हैं 450 सीटें

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन शुरू हो रहे हैं।

इस बार बीटेक की आधी सीटों पर प्रवेश जेईई मेन के जरिए लिया जाएगा। साथ ही आधी सीटों के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। काउंसिलिंग के लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को सीटों का ब्योरा दे दिया है।

विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों से बीटेक की पढ़ाई हो रही है। इस बार सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई है। पिछले साल बीटेक में कुल 300 सीटें थीं, जिसे बढ़ाकर 450 कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की काउंसिलिंग के लिए अलग से पोर्टल बनाया है। इसके जरिए ही प्रवेश लिया जाए।

इसके अलावा डिप्लोमा धारकों को बीटेक द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी)-2024 प्रवेश परीक्षा और बीएससी स्नातकों को सीयूईटी (पीजी)-2024 प्रवेश परीक्षा के निर्देश टेस्ट पेपर में उपस्थित होने के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करना आवश्यक है, जिसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा काउंसलिंग आयोजित की जाएगी।

जून में आयोजित होगी प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा जून में आयोजित की जाएगी। अभी इसके लिए आवेदन लिए जा रहे हैं।

बीटेक में प्रवेश परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को पंजीकरण करना होगा। फिलहाल इसकी अंतिम तिथि 11 मई है।

बीटेक में उपलब्ध सीटें

विश्वविद्यालय में बीटेक इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 150, बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 150, बीटेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 75 और बीटेक इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग में 75 सीटें उपलब्ध हैं।

इस संबंध में इंजीनियरिंग विभाग के निदेशक प्रोफेसर उमेश यादव ने कि विश्वविद्यालय में बीटेक में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म भरे जा रहे हैं।

आधी सीटों पर प्रवेश जेईई मेंस के जरिए होगा। वहीं, आधी सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

बत्ती सीटों पर प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर होगी परीक्षा

जून में होगी प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय में बीटेक के लिए प्रवेश जून में आयोजित की जाएगी। अभी इसके लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। बीटेक में प्रवेश परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को पंजीकरण करना होगा। फिलहाल इसकी अंतिम तिथि 11 मई है।

बीटेक में उपलब्ध सीटें

विश्वविद्यालय में बीटेक इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 150, बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 75 और बीटेक इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग में 75 सीटें उपलब्ध हैं।

डीडीयू : दूर हुआ भ्रम, एक मई को मनेगा 74वां स्थापना दिवस

1950 को हुई थी डीडीयू की स्थापना, 1957 में शुरू हुआ था संचालन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। एक मई को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 74वां स्थापना दिवस है। यह 74वां इसलिए है क्योंकि विश्वविद्यालय की स्थापना एक मई 1950 को हुई थी। इसके बाद 1956 में विधानसभा से संबंधित विधेयक पारित होने के बाद 1957 में विश्वविद्यालय ने आकार लिया था। इसी वजह से विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। इसे दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि वह एक मई को ही अपना स्थापना दिवस मनाएगा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय का यह गौरवशाली इतिहास है। यहां से कई बड़े राजनेता, साहित्यकार, पत्रकार और प्रशासनिक अधिकारी निकले हैं। ऐसे में यह बहुत अच्छा होगा कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के मौके पर पूर्व छात्रों का बड़ा मिलन आयोजित किया जाए। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र लिखा जाएगा।

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

11 अप्रैल 1957 को भोपाल छह पहले कुलपति बने जिसके बाद यहां कक्षाओं का संचालन शुरू हुआ। कई वर्षों तक यहां से प्रवेश की प्रक्रिया भी यहीं से होती रही। 1956 में विधानसभा से संबंधित विधेयक पारित होने के बाद 1957 में अस्तित्व में आया। इसके बाद से ही विश्वविद्यालय की स्थापना की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। इसे दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि वह एक मई को ही अपना स्थापना दिवस मनाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

Inext Page -02, 04

गोरखपुर यूनिवर्सिटी : बीटेक की आधी सीटें जेईई मेंस से भरेंगी

बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर गोवि ने स्पष्ट की योजना

लेटरल एंट्री के तहत प्रवेश का आधार होगा सीयूईटी-2024

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (28 April): परिसर में तीन वर्ष चलने शुरू हुए बीटेक पाठ्यक्रम में पढ़ रहे में प्रवेश को लेकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अपने पोजल भेज दी है। इसके लिए आवेदन भी आमंत्रित कर दिए हैं। विश्वविद्यालय इस बार बीटेक की आधी सीटों पर जेईई मेन से प्रवेश दे रहा है। शेष और बाकी की आधी सीटें अपने प्रवेश परीक्षा से संचालन आकांक्षियों के लिए। विश्वविद्यालय ने लेटरल एंट्री के जरिए डिप्लोमा धारकों को बीटेक में प्रवेश देने की योजना बनाई है। विश्वविद्यालय ने इस बार सीटों को लेकर जो घोषणा की है उसके अनुसार बीटेक की आधी सीटों पर जेईई मेन के जरिए प्रवेश होगा। बाकी सीटों के लिए विश्वविद्यालय अपनी प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। इसके लिए जून में आवेदन लिए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने बीटेक में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 11 मई है।

अमले वर्मी जेईई मेंस से लगी सीटों को भरने की तैयारी

2024

और बीएससी स्नातकों का प्रवेश सीयूईटी (पीजी)-2024 प्रवेश परीक्षा के जरिए होगा। इसी परीक्षा के आधार पर विश्वविद्यालय में प्रवेश दिया जाएगा।

300 सौ, जिसे

बढ़ाकर 450 सीट किया जाएगा। बीटेक की प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा जून में होगी। अभी इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 11 मई निर्धारित की गई है।

प्रो. केशव सिंह को मिली एबीआरएफ फेलोशिप

GORAKHPUR (28 April): गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो.केशव सिंह एशियाई जैविक अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा 'एबीआरएफ (एशियन बायोलाजिकल रिसर्च फाउंडेशन) फेलोशिप' से सम्मानित किए गए हैं. एमएलके पीजी कालेज बलरामपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। प्रो.केशव ने वर्मी कंपोस्ट पर कई समाजोपयोगी शोध किए हैं। कांफ्रेंस में उन्होंने 'वर्मीकंपोस्टिंग के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन' पर व्याख्यान देकर लोगों को जागरूक भी किया।

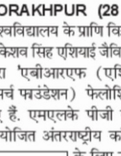

प्रो. केशव सिंह

सख्ती जमा धनराशि का ब्यौरा न देने पर शुरू हुई कार्रवाई

253 कॉलेजों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा सकती है गोरखपुर यूनिवर्सिटी

छह माह तक हर साल ले ब्यौरा उपलब्ध कराने वाले जारी की चेतावनी

GORAKHPUR (28 April): बीते तीन वर्ष में विश्वविद्यालय कोष में जमा धनराशि का ब्यौरा न देने को लेकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन सख्त है. दो बार आदेश जारी होने के बाद केवल 100 कालेजों द्वारा ब्यौरा उपलब्ध कराने से नाराज विश्वविद्यालय ने छह माह तक का समय दिया है. चेतावनी दी है कि अंतिम तिथि पर जिन कालेजों ने ब्यौरा नहीं दिया, उनसे नए सत्र से प्रवेश लेने का अधिकार छीन लिया जाएगा. सम्बद्धता और अन्य आवेदनों पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी. विश्वविद्यालय के निर्देश के तहत ही ब्यौरा उपलब्ध कराने की चेतावनी दी गई है। इस बार नए सत्र में प्रवेश लेने का अधिकार छीन लिया जाएगा. सम्बद्धता और अन्य आवेदनों पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी. विश्वविद्यालय के निर्देश के तहत ही ब्यौरा उपलब्ध कराने की चेतावनी दी गई है।

छह को लिखा था पत्र

जमा धनराशि में वित्तीय अनियमितता को आशंका को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने छह अप्रैल को सभी कालेजों के लिए आदेश भेजा एक पत्र जारी था. उस पत्र में सत्र 2021-22, 2022-23 और 2023-24 में विभिन्न मद में जमा धन का विवरण उपलब्ध कराने को कहा था. निर्धारित तिथि तक जब 11 कालेजों ने ही ब्यौरा दिया तो विश्वविद्यालय ने बाकी कालेजों को 16 अप्रैल को अनुस्मारक भेज कर फिर से याद दिलाया. इसके बाद भी 89 कालेजों ने ब्यौरा नहीं दिया तो विश्वविद्यालय ने चेतावनी दी है कि अंतिम तिथि पर जिन कालेजों ने ब्यौरा नहीं दिया, उनसे नए सत्र में प्रवेश लेने का अधिकार छीन लिया जाएगा. सम्बद्धता और अन्य आवेदनों पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी. विश्वविद्यालय के निर्देश के तहत ही ब्यौरा उपलब्ध कराने की चेतावनी दी गई है।

इस बार 74वां स्थापना दिवस मनाएगी यूनिवर्सिटी

GORAKHPUR (28 April): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय इस बार अपना चौथा स्थापना दिवस मनाएगा। इसे लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में फैले भ्रम को दूर कर दिया है. विश्वविद्यालय साफ किया है कि चूंकि विश्वविद्यालय की नींव एक मई 1950 में पड़ी थी, इसलिए स्थापना दिवस भी उसी तिथि को मनाया जाएगा. इस हिसाब से 74वां स्थापना दिवस होगा. विश्वविद्यालय अगला 1956 में विधानसभा से संबंधित विधेयक पारित होने के बाद 1957 में अस्तित्व में आया. इसके बाद से ही विश्वविद्यालय की स्थापना की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी. इसे दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि वह एक मई को ही अपना स्थापना दिवस मनाएगा. इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

Hindustan Page - 05, 06

बीटेक में बढ़ी सीटों पर इसी सत्र से मिलेगा प्रवेश

डीडीयू

- बीटेक की आधी सीटों के लिए प्रवेश, आधी पर जेईई मेंस से प्रवेश
- डीडीयू में कम्प्यूटर साइंस और आईटी में दोगुना सीटों पर प्रवेश

गोरखपुर, निज संवाददाता।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में बढ़ी हुई सीटों पर प्रवेश होगा। इसे लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बीटेक की आधी सीटें जेईई मेंस के परिणाम के आधार पर भरी जाएंगी। आधी सीटों के लिए डीडीयू प्रवेश परीक्षा कराएगा।

जेईई मेंस के जरिए काउंसलिंग के लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को सीटों का ब्योरा दे दिया है। डीडीयू में पिछले तीन वर्षों से बीटेक की पढ़ाई हो रही है। पहली बीटेक के चार विभागों की तीन सौ सीटों पर प्रवेश लिया जाता था। कम्प्यूटर साइंस और आईटी विषयों की छात्रों की मांग को देखते हुए इन दोनों ही कोर्स में सीटों की क्षमता बढ़ाकर दोगुनी कर दी गई थी। यानी कम्प्यूटर साइंस और आईटी में 150-150 सीटों पर प्रवेश होगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 75-75 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। अन्य कोर्स में पहले की तरह ही सीटें रहेंगी। इसके अलावा डिप्लोमा धारकों को बीटेक द्वितीय वर्ष में लेटरल एंट्री के जरिए प्रवेश दिया जाएगा।

जून में होगी प्रवेश परीक्षा: डीडीयू में प्रवेश के लिए जून में परीक्षा कराने की तैयारी चल रही है। अभी इसके लिए आवेदन लिए जा रहे हैं।

बीटेक में प्रवेश परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को पंजीकरण करना होगा। फिलहाल इसकी अंतिम तिथि 11 मई है।

पिछले तीन वर्षों में जमा धनराशि का ब्योरा नहीं देने पर विश्वविद्यालय प्रशासन सख्त

डीडीयू: ढाई सौ कॉलेजों को प्रवेश प्रतिबंधित करने की चेतावनी

लापरवाही

06 मई तक हर साल ले ब्योरा उपलब्ध कराने वालों को चेतावनी

01 तीन कॉलेजों ने ही अब तक दिया है विधि योग्य जमा धनराशि का ब्योरा

जमा की गई धनराशि का ब्योरा मांगा गया है। छह माह में 100 कॉलेजों ने जमा

प्रो. राजेश, रजिस्ट्रार, दीडीयू

आदेश' सीबीएसई के साथ ही सभी राज्य बोर्ड के विद्यालयों के लिए नियमावली जारी की गई है। इसके तहत ही डीडीयू में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया की जाएगी। विश्वविद्यालय के नियमों के तहत ही प्रवेश होगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 75-75 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। अन्य कोर्स में पहले की तरह ही सीटें रहेंगी। इसके अलावा डिप्लोमा धारकों को बीटेक द्वितीय वर्ष में लेटरल एंट्री के जरिए प्रवेश दिया जाएगा।

जून में होगी प्रवेश परीक्षा: डीडीयू में प्रवेश के लिए जून में परीक्षा कराने की तैयारी चल रही है। अभी इसके लिए आवेदन लिए जा रहे हैं।

बीटेक में प्रवेश परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को पंजीकरण करना होगा। फिलहाल इसकी अंतिम तिथि 11 मई है।

एबीआरएफ फेलोशिप से सम्मानित हुए प्रो. केशव

गोरखपुर। डीडीयू के प्राणी विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्रो. केशव सिंह एशियाई जैविक अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा 'एबीआरएफ फेलोशिप' से सम्मानित किए गए हैं। एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। प्रो. केशव ने वर्मी कंपोस्ट पर कई **प्रो. केशव सिंह।** समाजोपयोगी शोध किए हैं। कांफ्रेंस में उन्होंने 'वर्मी कंपोस्टिंग के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन' पर व्याख्यान देकर लोगों को जागरूक भी किया।

पीजी में प्रवेश के लिए छात्र आज से करें आवेदन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 29 अप्रैल से परास्नातक में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो रही है। यूजी में सामान्य और ओबीसी के 45 प्रतिशत तक अंक पाने वाले और एससी-एसटी के 40 प्रतिशत तक अंक वाले अभ्यर्थी आवेदन के लिए अर्ह होंगे।

प्रवेश परीक्षा जून में प्रस्तावित है। बीएससी, बीटेक, बीकॉम आदि विषय वाले विद्यार्थी भी एमए कर सकेंगे। डीडीयू प्रशासन ने कहा है कि इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश विवरणिका का अध्ययन कर लें। आवेदन करते समय संबंधित विद्यार्थी नियम एवं शर्तों को काफी ध्यान से पढ़ लें। फार्म भरने में गलती होने पर उन्हें दिक्कत होगी।

Swatantra Chetna Page - 02, 04

जेईई मेंस से होगा बीटेक की आधी सीटों पर प्रवेश

□गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीटेक के लिए हैं 450 सीट

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन चल रहा है। इस बार बीटेक की आधी सीटों पर प्रवेश जेईई मेंस के जरिए लिया जाएगा।

साथ ही आधी सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। काउंसिलिंग के लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को सीटों का ब्योरा दे दिया है।

विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों से बीटेक की पढ़ाई हो रही है। इस बार सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई है। पिछले साल बीटेक में कुल 300 सीटें थीं जिसे बढ़ाकर 450 कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय की योजना है कि अगले साल से बीटेक की सभी सीटों पर जेईई मेंस के जरिए ही प्रवेश लिया जाए।

इसके अलावा डिप्लोमा धारकों को बीटेक द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी)-2024 प्रवेश परीक्षा और बीएससी स्नातकों को सीयूईटी (पीजी)-2024 प्रवेश परीक्षा के निर्देश टेस्ट पेपर में उपस्थित होने के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करना आवश्यक है, जिसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा काउंसलिंग आयोजित की जाएगी।

प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा जून में आयोजित की जाएगी। अभी इसके लिए आवेदन लिए जा रहे हैं।

बीटेक में प्रवेश परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को पंजीकरण करना होगा। फिलहाल इसकी अंतिम तिथि 11 मई है।

बीटेक में उपलब्ध सीटें

विश्वविद्यालय में बीटेक इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 150, बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 150, बीटेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 75 और बीटेक इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग में 75 सीटें उपलब्ध हैं।

इस संबंध में इंजीनियरिंग विभाग के निदेशक प्रोफेसर उमेश यादव ने कि विश्वविद्यालय में बीटेक में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म भरे जा रहे हैं।

आधी सीटों पर प्रवेश जेईई मेंस के जरिए होगा। वहीं, आधी सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

जून में आयोजित होगी

प्रो.केशव को एबीआरएफ फैलोशिप से किया गया सम्मानित

□अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए मिला सम्मान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो.केशव सिंह को एम.एल.के.पी.जी. कॉलेज, बलरामपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा 27-28 अप्रैल को जीव विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान में एकीकृत अंत:विषयक रास्ते: सतत विकास के परिप्रेक्ष्य विषयक आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए एबीआरएफ फैलोशिप से सम्मानित किया गया तथा प्रो. केशव सिंह द्वारा वर्मीकंपोस्टिंग के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन पर समाजोपयोगी आमंत्रित व्याख्यान भी दिया गया। यह आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश, (सीएसटी, यूपी) द्वारा प्रायोजित एवं जैव विज्ञान संकाय, एम.एल.के.पी.जी.कॉलेज द्वारा एशियाई जैविक अनुसंधान फाउंडेशन (एबीआरएफ) प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के सहयोग से किया गया। इस उपलब्धि पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार तथा शुभचिंतकों द्वारा बधाई दी गई है।

Amar Ujala Select Page - 02, 04

प्रो. केशव सिंह एबीआरएफ फैलोशिप से सम्मानित

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. केशव सिंह को एमएलके पीजी कॉलेज, बलरामपुर द्वारा 27–28 अप्रैल, 2024 को जीव विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान में एकीकृत अंत:विषयक रास्ते: सतत विकास के परिप्रेक्ष्य विषयक आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए एबीआरएफ फैलोशिप से सम्मानित किया गया तथा प्रो. केशव सिंह द्वारा वर्मीकंपोस्टिंग के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन पर समाजोपयोगी व्याख्यान भी दिया गया। यह आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश, (सीएसटी, यूपी) द्वारा प्रायोजित एवं जैव विज्ञान संकाय, एमएलके पीजीकॉलेज, बलरामपुर द्वारा एशियाई जैविक अनुसंधान फाउंडेशन, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित किया गया था। प्रो. केशव जी इस उपलब्धि पर समस्त विश्वविद्यालय परिवार तथा शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

डीडीयू : बीटेक की आधी सीटों पर जेईई मेन से होगा प्रवेश

बीटेक के लिए हैं 450 सीटें, बची सीटों पर प्रवेश के लिए होगी परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीटेक में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म भरे जा रहे हैं। आधी सीटों पर प्रवेश जेईई मेंस के जरिए लिया जाएगा। साथ ही आधी सीटों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

-प्रो. उमेश यादव, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी

बीटेक द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी)-2024 प्रवेश परीक्षा और बीएससी स्नातकों को सीयूईटी (पीजी)-2024 प्रवेश परीक्षा के निर्देश टेस्ट पेपर में उपस्थित होने के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करना आवश्यक है, जिसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा काउंसलिंग आयोजित की जाएगी।

जून में होगी प्रवेश परीक्षा : विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा, जून में आयोजित की जाएगी। अभी इसके लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। बीटेक में प्रवेश परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थियों को पंजीकरण करना होगा। फिलहाल इसकी अंतिम तिथि 11 मई है।

बीटेक में उपलब्ध सीटें : विश्वविद्यालय में बीटेक इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 150, बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 150, बीटेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 75 और बीटेक इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग में 75 सीटें उपलब्ध हैं।

दूर हुआ भ्रम, डीडीयू का मनेगा 74वां स्थापना दिवस

एक मई 1950 को हुई थी विश्वविद्यालय की स्थापना 1957 में हुआ था संचालन

गोरखपुर। एक मई को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 67वां स्थापना दिवस है या 74वां। इस भ्रम को विश्वविद्यालय प्रशासन ने दूर कर दिया है। इस दिन विश्वविद्यालय का 74वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

कारण है कि गोरखपुर विश्वविद्यालय स्थापित होने वाला पहला विश्वविद्यालय है। एक मई 1950 को तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद वल्लभ पंत ने इसका शिलान्यास किया था। अगस्त 1956 में विधानसभा से गोरखपुर विश्वविद्यालय अधिनियम पारित हुआ।

11 अप्रैल 1957 को भोपाल छह पहले कुलपति बने जिसके बाद यहां कक्षाओं का संचालन शुरू हुआ। कई वर्षों तक यहां से प्रवेश की प्रक्रिया भी यहीं से होती रही। 1956 में विधानसभा से संबंधित विधेयक पारित होने के बाद 1957 में अस्तित्व में आया। इसके बाद से ही विश्वविद्यालय की स्थापना की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। इसे दूर करने के लिए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि वह एक मई को ही अपना स्थापना दिवस मनाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

एक मई 1950 को हुई थी विश्वविद्यालय की स्थापना 1957 में हुआ था संचालन

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

विश्वविद्यालय से निकले कई बड़े नाम : गोरखपुर विश्वविद्यालय से कई बड़े नाम निकले हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित कमलापति त्रिपाठी, पूर्व राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री, पूर्व राज्यपाल मोतीलाल वोरा, पूर्व केंद्रीय मंत्री फजले मतीन, पूर्व राज्यपाल बीपी सिंघल, पूर्व राज्यपाल मधुकर दिघे, पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित, पूर्व केंद्रीय मंत्री हरिकेवल प्रसाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवप्रसाद गुप्त, पूर्व केंद्रीय मंत्री जमुना प्रसाद शास्त्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामनरेश यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री जगदीश टाइटलर, पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवप्रताप शुक्ल, पूर्व केंद्रीय मंत्री हरिवंश नाराय